पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर छ.ग.

में

हिन्दी विषय में

पीएच.डी. की उपाधि हेतु

प्रस्तावित

# डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों का सांस्कृतिक अनुशीलन

विषयक

## संशोधित शोध–रूपरेखा


शोध–निर्देशक

डॉ.(श्रीमती) श्रद्धा चन्द्राकर

प्राध्यापक, हिन्दी विभाग

शा.वि.या.ता. स्वशासी स्ना. महा.,दुर्ग (छ.ग.)

शोधार्थी

चुन्नी लाल साहू

सहा. प्राध्यापक (हिन्दी)

शा.नवीन महा. पिपरिया कबीरधाम (छ.ग.)


30.11.15

शोध–केन्द्र

हिन्दी विभाग, शासकीय वि.या.ता.स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Auto.College
Durg (C.G.)

2015

## शोध–केन्द्र
## हिन्दी विभाग, शासकीय वि.या.ता.स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

**2015**

### 1. शोध–कार्य का शीर्षक

डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों का सांस्कृतिक अनुशीलन

### 2. प्रस्तावना

डॉ. गणेश खरे का जन्म 15 जनवरी 1937 में ग्राम केवलारी, पो. पथरिया जिला दमोह, म.प्र. में हुआ था। आपकी प्राथमिक शिक्षा वहीं गांव में सम्पन्न हुई,। आपने माध्यमिक शिक्षा पथरिया से प्राप्त की तथा हाई स्कूल दमोह से उत्तीर्ण किया। स्नातक से लेकर पी.एच.डी. तक का आपका सारा शिक्षण कार्य सागर विश्वविद्यालय सागर में सम्पन्न हुआ है। हाई स्कूल में आपने 'नव प्रभा' नामक एक हस्तलिखित मासिक पत्रिका का दो वर्षो तक नियमित रूप से संपादन कार्य किया था। इस पत्रिका के माध्यम से आप उस समय दमोह जिले के प्रमुख साहित्यकारों के संपर्क में आ चुके थे। साहित्य की प्रेरणा आपको अपने पिता श्री दुर्गानारायण से प्राप्त हुई। आप द्विवेदी युगीन साहित्यकार थे तथा स्वतः दो मासिक पत्रिकाओं का संपादन कर रहे थे। आपकी रचनायें उस समय की प्रमुख पत्र पत्रिकाओं में भी छपती रही हैं और उनकी साहित्यिक कृतियों पर सागर विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. का शोध–कार्य भी सम्पन्न हो चुका है।

डॉ. खरे 1954 से नियमित रूप से साहित्य–लेखन से जुड़ गये थे। इस समय सागर विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग अध्ययन–अध्यापन तथा शोध–कार्य की दृष्टि से भारत का एक प्रमुख साहित्यिक केन्द्र था। आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सहित उस समय यहां डॉ. रमा शंकर शुक्ल 'रसाल', डॉ. प्रेमशंकर, डॉ. नामवर सिंह, डॉ. रामरतन भटनागर, डॉ. रामलाल सिंह, डॉ. शिव कुमार मिश्र आदि विद्वान कार्यरत थे। इन्हीं की छत्रछाया में आपने हिन्दी में एम.ए तथा आचार्य वाजपेयी के निर्देशन में पी.एच.डी. का शोध–कार्य सम्पन्न किया। 1961 में ही आपकी प्रथम कृति 'प्रसाद के प्रगीत' प्रकाशित हो गई थी। 1964 से आप महाविद्यालयीन अध्यापक रूप में कार्यरत रहे हैं और 12 वर्षो तक विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य रहकर 1997 में उक्त पद से सेवा निवृत्त होकर अब स्वतंत्र रूप से साहित्य–लेखन का कार्य कर रहे हैं।

इस अवधि में आपकी समीक्षा, भाषाशास्त्र, उपन्यास, नाटक, योग आदि को मिलाकर पचास से भी अधिक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं आप अभी तक दो दर्जन से भी अधिक पी.एच.डी. के शोध–कार्यो का निर्देशन भी कर चुके हैं।

इस समय तक आपके 9 उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से पांच छत्तीसगढ़ अंचल से संबंधित ऐतिहासिक उपन्यास हैं जिनमें पांचवी शताब्दी से लेकर आधुनिक युग तक की सामाजिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक आदि क्षेत्रों की उपलब्धियों का अंकन किया गया है। अभी तक इतने व्यापक परिप्रेक्ष्य में इस अंचल पर लेखन का कार्य अन्य किसी भी साहित्यकार ने नहीं किया है। अतः उनका यह कार्य मौलिक तो है ही, शोध कार्य के लिए सर्वथा उपयुक्त और प्रासंगिक भी है।

बहुत से रचनाकारों ने छत्तीसगढ़ की पृष्ठभूमि पर रचना किया है। किंतु इस अंचल की विविध क्षेत्रों को लेकर उपन्यास लेखन का कार्य डॉ. खरे ने किया है। यही बात मुझे इस विषय पर शोध–कार्य के लिए प्रेरित करती रही।

**इस शोध–अध्ययन को निम्न 8 अध्यायों में विभक्त किया गया है–**

अध्याय : 1 डॉ. खरे का संक्षिप्त जीवन वृत्त एवं उनके रचना–संसार का परिचय

क. डॉ. खरे का जीवन–वृत्त, व्यक्तित्व एवं अध्यापन–कार्य

ख. डॉ. खरे का शोध–कार्य तथा शोध–मार्ग–निर्देशन

ग. डॉ. खरे का साहित्यिक रचना–संसार

घ. भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का विश्लेषण.

अध्याय : 2 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां तथा डॉ. खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों पर उनके संप्रभावों का अध्ययन

क. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां और डॉ. खरे के उपन्यास.

ख. हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यासों की पृष्ठभूमि में डॉ. खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों पर उनके संप्रभावों का अध्ययन.

अध्याय : 3 'बालार्जुन' में प्रस्तुत सोमवंशी सम्राट महाशिव गुप्त बालार्जुन के स्वर्ण काल के विविध परिदृश्य एवं युग–चेतना की दृष्टि से उनका अनुशीलन

क. ऐतिहासिक दृष्टि से सम्राट बालार्जुन का प्रदेय

ख. 'बालार्जुन' की वस्तु–योजना का अनुशीलन

ग. 'बालार्जुन' नामक कृति के प्रमुख पात्रों के द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का विवेचन.

अध्याय : 4 कलचुरि वंश के महान शासक जाजल्यदेव का इतिवृत्त तथा 'जाजल्यदेव कीर्ति' में प्रस्तुत उनके शासन काल की उपलब्धियों का मूल्यांकन

क. ऐतिहासिक दृष्टि से जाजल्यदेव का छत्तीसगढ़ को प्रदेय.

ख. 'जाजल्यदेव कीर्ति' की कथा–वस्तु का विश्लेषण

ग. जाजल्यदेव तथा अन्य पात्र–पात्राओं द्वारा अपने चरित्रों के माध्यम से प्रस्तुत सांस्कृतिक मूल्यों का अनुशीलन.

अध्याय : 5 17वीं तथा 18वीं शताब्दी का छत्तीसगढ़ तथा उस युग में 'गुरू घासीदास' में प्रस्तुत उनकी सामाजिक–सांस्कृतिक क्रांति का स्वरूप विश्लेषण

क. ऐतिहासिक दृष्टि से गुरू घासीदास का प्रदेय

ख. 'गुरू घासीदास' की कथा–वस्तु का विश्लेषण

ग. गुरू घासीदास तथा अन्य पात्र–पात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक जीवन–मूल्यों का अनुशीलन.

अध्याय : 6 छत्तीसगढ़ में स्वत़ंत्रता आन्दोलन के संदर्भ में 'क्रांतिदूत' (ठाकुर प्यारे लाल) का अनुशीलन

क. ठाकुर प्यारे लाल सिंह का ऐतिहासिक दृष्टि से प्रदेय.

ख. 'क्रांतिदूत' की कथा–वस्तु का विश्लेषण

ग. 'क्रांतिदूत' के विभिन्न पात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक जीवन–मूल्यों का अध्ययन.

अध्याय : 7 21वीं शताब्दी में नारी विमर्श तथा आर्थिक क्रांति की दृष्टि से 'एक हाथ की ताली' (श्रीमती फुलबासन यादव, पद्मश्री) का साहित्यिक मूल्यांकन

क. ऐतिहासिक दृष्टि से श्रीमती फुलबासन का प्रदेय.

ख. 'एक हाथ की ताली' नामक उपन्यास की कथा–वस्तु का विश्लेषण.

ग. संदर्भित उपन्यास के विभिन्न पात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक जीवन–मूल्यों का विवेचन.

अध्याय : 8 ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, राष्ट्रीय, साहित्यिक आदि दृष्टियों से डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों का प्रदेय

क. डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों का ऐतिहासिक दृष्टि से प्रदेय.

ख. डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों का सांस्कृतिक, दार्शनिक तथा राष्ट्रीय दृष्टि से प्रदेय.

ग. डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों का साहित्यिक दृष्टि से प्रदेय.

परिशिष्ट क. डॉ. गणेश खरे का रचना–संसार

ख. संदर्भ ग्रन्थों की सूची

**3. अभी तक इस क्षेत्र से सबंधित सम्पन्न शोध–कार्यो का विवरण**

डॉ. खरे का **'क्रांतिदूत'** नामक उपन्यास अनेक वर्षो तक विश्वविद्यालयीन पाठ्यक्रम का अंग रहा है। अतः इस कृति पर अनेक समीक्षायें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके 'जाजल्यदेव कीर्ति', 'सृजन पथ', 'एक हाथ की ताली' आदि उपन्यासों पर स्फुट रूप से समीक्षात्मक टिप्पणियां प्रकाशित हैं। आपके 'सतनाम' खंड काव्य तथा 'बालार्जुन' को आधार बनाकर लघु शोध–प्रबंध भी तैयार हो चुके हैं पर उनके इन पांचों ऐतिहासिक उपन्यासों पर समन्वित रूप से अभी तक पी.एच.डी. के शोध–कार्य नहीं हुए हैं। ये सभी रचनायें छत्तीसगढ़ अंचल के स्वर्ण कालों से संबंधित हैं अतः उन पर समवेत रूप से शोध–कार्य मौलिक तो है ही, प्रासंगिक भी है।

## 4. उद्देश्य

प्रस्तुत शोध–प्रबंध का उद्देश्य डॉ. गणेश खरे के ऐतिहासिक उपन्यासों के माध्यम से छत्तीसगढ़ अंचल की विरासत का परिज्ञान करना है। इन रचनाओं के माध्यम से इस अंचल के लगभग 1500 वर्षो की बहुमुखी उपलब्धियां हमारे सामने आयेंगी जिनसे हमें अतीत की गौरवशाली परम्पराओं, आदर्शो, सांस्कृतिक चेतना तथा आर्थिक अभ्युदय के स्रोतों का ज्ञान हो सकेगा। अभी तक हिन्दी साहित्य में इस अंचल की इस श्री सम्पन्न विरासत की शोध का ऐसा एक भी प्रयत्न नहीं किया गया है।

## 5. प्रस्तुत शोध–कार्य की उल्लेखनीय उपलब्धियां

छत्तीसगढ़ अंचल का अतीत अनेक गौरव शाली परम्पराओं से युक्त है। बालार्जुन के शासन काल को दक्षिण कोसल का स्वर्ण युग कहा जाता है। इसी तरह कल्चुरी वंश के जाजल्यदेव से संबंधित शिलालेख में यह उक्ति अंकित है। कि 'ऐसा राजा आपने न कभी देखा होगा और न सुना होगा। गुरू घासीदास की सामाजिक–धार्मिक क्रांति को छत्तीसगढ़ में समाजवाद की स्थापना का प्रथम चरण कहा जाता है। उन्होंने अपने सतनाम के संदेशों से उस समय घूम–घूमकर एक करोड़ से भी अधिक लोगों को प्रभावित किया था। इसी प्रकार बीसवी शताब्दी में प्यारे लाल ठाकुर के कार्य स्वतंत्रता आन्दोलन के संदर्भ में क्रांतिदूत के रूप में स्मरण किए जाते हैं। वे श्रमिक वर्ग के तो नेता थे ही, इस अंचल में सर्वोदय तथा सहकारिता आन्दोलन के भी जनक रहे हैं। श्रीमती फुलबासन (पदम श्री) के नारी–विमर्श के कार्यो की चर्चा आज पूरे भारत में तो है ही, वह विदेशों में भी चर्चा का केन्द्र बनी हुई है। प्रस्तुत शोध–कार्य के द्वारा इन सारे महान पुरूषों के व्यक्तित्व तथा कृतित्व का व्यापक स्वरूप हमारे सामने उद्घाटित हो सकेगा।

## 6. शोध–कार्य की प्रस्तावित प्रविधियां

इस शोध–कार्य में छत्तीसगढ़ अंचल से संबंधित अभी तक जितने ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा राजनीतिक दृष्टि से शोध–कार्य हुए हैं, उन सबका परिशीलन किया जायेगा ताकि उपन्यासों में प्रस्तुत पात्रों के व्यक्तित्व तथा कृतित्व के साथ उनका तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके। इन कृतियों के लेखक डॉ. खरे हमारे बीच उपस्थित हैं अतः साक्षात्कार, प्रश्नावलियों आदि के द्वारा भी उनके अभिमतों को जानने का प्रयत्न किया जायेगा। इस अंचल के इतिहासविदों तथा संबंधित विषयों के विशेषज्ञों से भी चर्चा की जायेगी। विषय वस्तु की गहराई तक पहुचने के लिए संबंधित आधार कृतियों का भी सूक्ष्म अध्ययन–विश्लेषण किया जायेगा।

## 7. प्रस्तावित शोध–कार्य का अनुमानित प्रदेय

संदर्भित पांचों उपन्यास इस अंचल की सांस्कृतिक चेतना को उद्घाटित करने के उद्देश्य से लिखे गये हैं। इस संदर्भ में इस अंचल के गत डेढ़ हजार वर्षो की राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक आदि क्षेत्रों की उपलब्धियां हमारे सामने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत हो सकेंगी। इतिहास के ग्रंथों में अभी तक इस अवधि की जो साम्रगी उपलब्ध होती है वह स्वल्प और संकेतात्मक है। पर अब उसका विस्तृत और स्पष्ट प्रारूप हमारे सामने आ सकेगा। हर प्रकार से समृद्ध और सम्पन्न समाज की ये विरासत आज प्रजातंत्र युग में भी प्रेरणा और पथ–प्रदर्शन का कार्य करेगी।

## 8. निर्धारित प्रारूप में संदर्भ ग्रंथों की सूची

### अ. डॉ. गणेश खरे का सम्पूर्ण कृतित्व

### 1. समीक्षात्मक साहित्य


| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रसाद के प्रगीत | नंद किशोर एण्ड संस, वाराणसी, 1961 |
| 2. | आधुनिक प्रगीत काव्य | अनुसंधान प्रकाशन, आचार्यनगर, कानपुर, 1965 |
| 3. | युग कवि प्रसाद | ग्रंथम, रामबाग, कानपुर, 1967 |
| 4. | मुक्तिबोध : व्यक्ति और पात्र | शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993 |
| 5. | हिन्दी के प्रमुख निबंधकार | अभिलाषा प्रकाशन, कानपुर, 1979 |
| 6. | आधुनिक काव्य प्रवृत्तियां | पुस्तक संस्थान, कानपुर, 1976 |
| 7. | भारतीय और पाश्चात्य समीक्षा | शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007 |
| 8. | नया साहित्य और युगधर्म | सिद्धि प्रकाशन, राजनांद., 2008 |
| 9. | निकष | सिद्धि प्रकाशन, राजनांद., 2013 |

**2. काव्य**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | सतनाम (खंडकाव्य) | सुनील साहित्य सदन, रायपुर 1983 |
| 2. | हाथ व्यर्थ वे | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 1996 |
| 3. | ओ आलो बंधु! | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 1996 |
| 4. | ओ मेह भैया ! | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 1995 |
| 5. | भूलन वन | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2003 |

**3. व्याकरण**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हिन्दी :स्वरूप और प्रयोग | जे. बी. डी. पब्लिकेशन डिवीजन, राजनांदगांव, 1989 |
| 2. | सामान्य हिन्दी ज्ञान | शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1984 |
| 3. | मानक हिन्दी | जैन बुक डिपा, राजनांदगांव, 1989 |
| 4. | व्यावहारिक हिन्दी | रवि प्रकाशन, रायपुर 1968 |
| 5. | प्रायोगिक हिन्दी | छत्तीसगढ़ हिन्दी ग्रंथ अकादमी, रायपुर, 2014 |
| 6. | हिन्दी भाषा | गया प्रसाद अग्रवाल, रीवा, 1965 |

**4. नाटक**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | श्रीनाथ कथामृत (29 एकांकी) | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2003 |
| 2. | परशुराम का धनुष (11 एकांकी) | अनुभव प्रकाशन, श्रीनगर, कानपुर 1988 |
| 3. | सरस्वती पुत्र बख्शी जी (तीन एकांकी) | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2011 |
| 4. | बाबू छोटे लाल (ऐतिहासिक नाटक) | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2013 |
| 5. | अन्ना का अनशन (एकांकी) | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2011 |
| 6. | नयी जिंदगी ( नाटक ) | भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ नयी दिल्ली, 1978 |
| 7. | मां बम्लेश्वरी ( नाटक ) | सिद्धि प्रकाशन, राज. 1998 |
| 8. | अटल जी और मुशर्रफ : | एक अंतरंग वार्ता सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2012 |
| 9. | वीर नारायण सिह | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 1998 |

**5. उपन्यास**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | क्रांतिदूत | शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1984 |
| 2. | बालार्जुन | शब्द भारती, इलाहाबाद, 1987 |
| 3. | जाजल्यदेव कीर्ति | शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005 |

4. जशपुर सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2008
5. दुर्लभ की खोज में सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2008
6. सृजन पथ सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2011
7. यथावत सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2012
8. एक हाथ की ताली सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2014
9. गुरू घासीदास सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2014

## 6. लघु कहानियां

1. बोध कथायें भाग–1 अमरेश प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
2. बोध कथायें भाग–2 सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2010
3. सफलता का महामंत्र, सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2012

## 7. योग साहित्य

1. विश्व संस्कृति के प्रणेता : स्वामी सत्यानंद सरस्वती सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2005
2. स्वामी सत्यानंद का क्रिया योग सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2008
3. स्वामी सत्यानंद का भक्ति योग सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2008
4. शिवनाथ के तट पर योग चर्चा (संपादन) सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2000
5. रिखिया में राजसूय यज्ञ का द्वितीय वर्ष–2002 सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2002
6. स्वामी सत्यानंद सरस्वती साधना पर्व–1 सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2002
7. स्वामी सत्यानंद सरस्वती साधना पर्व–2 सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2007
8. जैन दर्शन–सार मुनि देवेश सागर, संपादन सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2013

## 8. संपादन

1. नव कथा सप्तक सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2001
   ( 7 नयी कहानियों का संकलन तथा भूमिका में नयी कहानी की विशेषतायें )
2. बख्शी संकलन वर्धमान प्रकाशन, रायपुर, 1982
   ( बख्शी जी के 6 निबंध तथा 6 कहानियां, विस्तृत समीक्षात्मक भूमिका के साथ)
3. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव, रजत जयंतिका 1983
4. स्वयंप्रभा, कमला कालेज रजत जयंती विशेषांक, 1988

## 9. स्फुट रचनायें

1. पर्यटन का स्वर्ग छत्तीसगढ़ शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005

| | | |
|---|---|---|
| 2. | पर्यावरणीय अध्ययन | शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013 |
| 3. | राम कथा की उप कथायें | सिद्धि प्रकाशन, राजनांदगांव, 2009 |

## 10. नव साक्षर साहित्य

| | | |
|---|---|---|
| 1. | नरक और स्वर्ग | भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ नयी दिल्ली, 1980 |
| 2. | साक्षरता है कथा कलम की | शताक्षी प्रकाशन, रायपुर, 1996 |
| 3. | छत्तीसगढ़ के महापुरूष | मिश्रा बुकडिपो, इलाहाबाद, 2010 |
| 4. | विश्व को छत्तीसगढ़ की देन | मधुर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010 |
| 5. | राष्ट्र की शान ( एकांकी ) | भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ नयी दिल्ली, 1984 |
| 6. | शहीद वीर नारायण सिंह | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 ( एकांकी ) |
| 7. | हरे बांस के दो डंडे | सिद्धि प्रकाशन, राज. 1998 |
| 8. | सतगुरू घासीदास ( काव्य ) | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 9. | साक्षर बोध कथायें भाग–1 | सिद्धि प्रकाशन, राज. 1998 |
| 10. | साक्षर बोध कथायें भाग–2 | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 11. | साक्षर पंच तंत्र (5 कहानियां) | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 12. | साक्षर पंच तंत्र (10 कहानियां) | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 13. | क्रांतदर्शी आचार्य विद्यासागर | सिद्धि प्रकाशन, राज. 1998 |
| 14. | ठाकुर प्यारे लाल सिंह | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 15. | बंधुआ मजदूर | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 16. | सफलता की ओर | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 17. | सुख कैसे प्राप्त करें | सिद्धि प्रकाशन, राज. 1998 |
| 18. | सुभाषतें | सिद्धि प्रकाशन, राज. 2005 |
| 19. | जय छत्तीसगढ़ | सिद्धि प्रकाशन, राज. 1999 |
| 20. | दीपक क्यों नहीं जलाया | नव साक्षर सा.प्र.राज. 1998 |
| 21. | नयी जिंदगी ( नाटक ) | भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ |

## टीप

| | | |
|---|---|---|
| 1. | नयी जिन्दगी–एकांकी | राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत |
| 2. | नरक और स्वर्ग | राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत |
| 3. | राष्ट्र की शान–एकांकी | राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत |
| 4. | बंधुआ मजदूर | राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत |
| 5. | हरे बांस के दो डंडे | मध्यप्रदेश शासन द्वारा पुरस्कृत |

## संदर्भ ग्रंथ


| | |
|---|---|
| अमर, ज्योति | महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारी–दृष्टि<br>उस्मानिया, 1996 |
| अभिताभ | राजेन्द्र यादव<br>गिरनार प्रकाशन मेहसाना |
| अरजवार, शीला | स्वातंत्र्योत्त्र कथा साहित्य में नारी के बदलते संदर्भ<br>इस्टर्न लिंकर्स, नयी दिल्ली |
| अग्रवाल साधना | वर्तमान हिन्दी महिला कथा–लेखन और दाम्पत्य जीवन<br>वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली |
| अग्निहोत्री, ममता | प्रमुख महिला लेखिकाओं के हिन्दी उपन्यासों में जीवन मूल्य<br>एवं शिल्प–विधान, मानपुर, 200 |
| अभिताभ, वेद प्रकाश | राजेन्द्र यादव<br>गिरनार प्रकाशन मेहसाना |
| अमिताभ, वेद प्रकाश | हिन्दी कहानी के सौ वर्ष<br>गिरनार प्रकाशन मेहसाना |
| उपाध्याय, सुरेन्द्र | नयी कहानी : दशा, दिशा और संभावना |
| उषा रानी | आठवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में नारी समस्यायें,<br>मेरठ, 1992 |
| कमलेश्वर | नयी कहाली का रूप–बंध और व्यक्तित्व |
| कप्पीकरे, सौ. मंगला | साठोत्तरी हिन्दी लेखिकाओं की कहानियों में नारी भावना<br>विकास प्रकाशन, कानपुर |
| करद, विजया | साठोत्तरी हिन्दी कहानी और महिला लेखिकाएं |

विकास प्रकाशन, कानपुर

| | |
|---|---|
| कुमार, सरिता | महिला कथाकारों की रचनाओं में प्रेम का स्वरूप<br>विकास प्रकाशन, कानपुर |
| गर्ग, श्रीमती शकुन्तला | महिला उपन्यासकारों के साहित्य में मूल्य चेतना का स्वरूप<br>राजस्थान, 1995 |
| गिरधर प्रसाद शर्मा, | हिन्दी उपन्यासें का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन<br>इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1978 |
| गुप्ता, त्रिवेणी | हिन्दी की महिला उपन्यासकारों का नारी मनोविज्ञान<br>रीवा |
| चतुर्वेदी, सुधा सिंह संपादक | स्त्री अस्मिता<br>आनंद प्रकाशन, कोलकाता |
| चव्हाण, अर्जुन | राजेन्द्र यादव के उपन्यासों में मध्यवर्गीय जीवन, राधाकृष्ण<br>प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995 |
| चौधरी, वेदवती | नवम् दशक की कहानियों में कामकाजी नारी की भूमिका<br>अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर |
| जानसन, सुसान | आधुनिक साहित्य में नारीवादी अधिगम और उषा प्रियंवदा<br>का कथा साहित्य, गुजरात वि.वि. अहमदावाद 1995 |
| जैन, निशा | आधुनिक हिन्दी उपन्यासों में नारी के विविध आयाम<br>राजस्थान, 1994 |
| त्रिपाठी, शशिकांत मणि | उषा प्रियंवदा का कथा साहित्य<br>बनारस, 1994 |
| दास, गणेश | स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी में नारी के विविध रूप<br>अक्षय प्रकाशन, कानपुर |
| नगेन्द्र, | हिन्दी साहित्य का इतिहास<br>मयूर पेपर बैक्स, नयी दिल्ली |

नामवर, कहानी : नयी कहानी

निर्मला जैन, सं. मेरी कहानियां : उषा प्रियंवदा,

पाण्डेय, उषा मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य में नारी भावना

पाण्डेय, शिवशंकर स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी : कथ्य और शिल्प

बागड़ी, आशा, प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यासों में पारिवारिक जीवन, शोध प्रबंध प्रकाशन, दिल्ली, 1974

मदान, इन्द्रनाथ, सं. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख लिपि प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993

मधुरेश, नयी कहानी : पुनर्विचार नेशनल पव्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

मस्तराम उषा प्रियंवदा के कथा साहित्य में मूल्य संक्रमण हिमाचल प्रदेश 1996

माधुरी साठोत्तरी महिला उपन्यासकारों के महिला पात्रों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, पंजाब,

नगेन्द्र, सं. हिन्दी साहित्य का इतिहास मयूर पंपरबैक्स, नोएडा, 1998

मिश्र, रामदरश हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान

मिश्र, रामदरश हिन्दी कहानी : दो दशक की यात्रा

वाजपेयी, भारती साठोत्तरी महिला हिन्दी उपन्यासकार : चरित्र–सृष्टि के आयाम जयपुर, 1991

वार्ष्णेय, रघुवर दयाल आधुनिक हिन्दी कहानी का परिपार्श्व

वार्ष्णेय, लक्ष्मी नारायण — आधुनिक कहानी का परिपार्श्व

वार्ष्णेय, लक्ष्मी नारायण — हिन्दी साहित्य का इतिहास
लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

व्होरा, आशा रानी — भारतीय नारी : दशा, दिशा

सारस्वत, मुकेश कुमार — आधुनिक हिन्दी उपन्यास साहित्य में नारी के बदलते संबंध
कानपुर, 1999

सिंह, कमलेश — हिन्दी लेखकाओं के नवम् दशक के उपन्यासों में
जीवन–मूल्य, जे.एन.यू. दिल्ली

सिंह, मीना देवी — उषा प्रियंवदा के उपन्यासों में समाज और संस्कृति,
कानपुर, 1998

सिंह, कमलेश — हिन्दी लेखिकाओं के नवम् दशक के उपन्यासों में जीवन
मूल्य, जे.एन.यू. दिल्ली

सिंह, विजय मोहन — आज की कहानी
राधा कृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

सिंह, संत वंत — नई कहानी : कथ्य और शिल्प

सिन्हा, सुरेश — हिन्दी कहानी : उद्भव–विकास

सिन्हा, सुरेश — हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास,
अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1965

शर्मा, गजानन — प्राचीन भारतीय इतिहास में नारी
लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

शर्मा, गिरधर प्रसाद — हिन्दी उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन
इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली, 1978

शर्मा, मोहनी — हिन्दी उपन्यास और जीवन मूल्य,

| | |
|---|---|
| | साहित्य सागर, जयपुर 1986 |
| शर्मा, राजनाथ | साहित्यिक निबंध,<br>विनोद पुस्तक मंदिर आगरा 1978 |
| शुक्ल रामचन्द्र | हिन्दी साहित्य का इतिहास,<br>नगरी प्रचारिणी सभा, काशी, 2029 वि. |
| श्रीवास्तव, कल्पना | स्वातंत्र्योत्तर महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में बदलते<br>पारिवारिक, सामाजिक संदर्भों का विवेचनात्मक अनुशीलन रीवा, 2001 |
| हेमा | साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में नारी–मुक्ति चेतना की<br>अभिव्यक्ति गढ़वला, 2002 |

**पत्र पत्रिकायें**

कल्पना, कहानी, धर्मयुग, नई कहानियां, हंस, सरिता, ज्ञानोदय आदि


9. आवेदक द्वारा प्रकाशित शोर्ध पत्रों की सूची – निरंक

हस्ताक्षर शोध–निर्देशक
डॉ. (श्रीमति) श्रद्धा चंद्राकर

हस्ताक्षर शोधार्थी
चुन्नी लाल साहू

अग्रेषित

प्राचार्य
Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Auto.College
Durg (C.G.)